आईआईएम का दीक्षांत आज
233 को डिग्री, 8 को मिलेगी पीएचडी

आयोजन

ट्राई के अध्यक्ष डॉ. राम सेवक शर्मा होंगे मुख्य अतिथि

गोल्ड, सिल्वर और ब्राउंज मैडल से भी सम्मानित होंगे छात्र

नवभारत रिपोर्टर | रायपुर.

भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) का आठवां दीक्षांत समारोह 25 अप्रैल को होगा. समारोह में सत्र 2016-18 और 2017-19 के कुल 233 विद्यार्थियों को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (पीजीपी) की डिग्री प्रदान की जाएगी. 2016-18 के 54 और 2016-18 के कुल 179 विद्यार्थियों को भी डिग्रियां दी जाएंगी. 8 विद्यार्थियों को पीएचडी भी प्रदान की जाएगी. इसके अलावा सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यार्थियों को गोल्ड, सिल्वर और ब्राउंज मैडल से सम्मानित किया जाएगा.

समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अध्यक्ष डॉ. राम सेवक शर्मा होंगे. वे दीक्षांत भाषण भी देंगे. कार्यक्रम की अध्यक्षता आईआईएम के शासी मंडल की अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथ करेंगी. इस अवसर पर आईआईएम के निदेशक डॉ. भारत भास्कर संस्थान की उपलब्धियों की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे. समारोह अपरान्ह तीन बजे पोता-चेरिया स्थिति आईआईएम के नए कैंपस में होगा. समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं. आईआईएम मुख्य जनसंपर्क अधिकारी जागरुक दावड़ा ने बताया कि सत्र 2016-18 के 54 विद्यार्थियों ने पिछले वर्ष विदेशी मुद्रा कार्यक्रम में हिस्सा लिया था. इसके कारण वे दीक्षांत समारोह में शामिल नहीं हो पाए थे. इस कारण इन सभी विद्यार्थियों को इस वर्ष डिग्रियां दी जाएंगी.

नवभारत फोटो

रिहर्सल में छलका उत्साह

दीक्षांत समारोह के एक दिन पूर्व बुधवार को कार्यक्रम की रिहर्सल की गई. इसमें विद्यार्थियों का उत्साह देखते ही बना. रिहर्सल में कार्यक्रम की पूरी रूपरेखा बताने के साथ ही किस तरह से बैठक व्यवस्था रहेगी, किस तरह से स्टेज पर डिग्री के लिए पहुंचना और कैसे वापस होना है, इन सबकी जानकारी दी गई. हॉल में विद्यार्थियों के साथ उनके पालकों के भी बैठने की व्यवस्था की गई है. कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए, इसके लिए विद्यार्थियों को खास निर्देश दिए गए.

पहली बार दी जाएगी डिग्री

आईआईएम के विद्यार्थियों को पहली बार पोस्ट ग्रेजुएशन इन मैनेजमेंट प्रोग्राम (पीजीपी) की डिग्री प्रदान की जाएगी. इसके पहले तक विद्यार्थियों को पीजीपी डिप्लोमा दिया जाता था. पिछले वर्ष आईआईएम बिल पास होने के बाद इसमें संशोधन के बाद डिग्री देने का रास्ता साफ हुआ है. इसके साथ ही फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट की जगह इस वर्ष से पीएचडी की उपाधि दी जाएगी.